restricted from the past 2 years due to the introduction of plastic lenses and progressive bi-focal glasses which being costly, however, have not assumed a higher proportion. As against the above demand projection of flint buttons in the country BOGL has installed capacity of 108 MT per annum with operation of two shifts only. The order received by BOGL during 1993-94 & 94-95 for flint buttons are 75 MT and 48 MT respectively. The item flint button being under OGL is being imported by the user industry from different countries. BOGL's flint buttons are costlier compared to some of imported flint buttons.

सरकारी क्षेत्र के घाटे में चल रहे उपक्रमों की संख्या में वृद्धि

3925. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में गत तीन वर्षों के दौरान देश में सरकार क्षेत्र के घाटे में चल रहे उपक्रमों की संख्या में वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि नहीं, तो जून, 1991 में सरकारी क्षेत्र के घाटे में चल रहे उपक्रमों की कुल संख्या कितनी थी और मार्च 1995 के अंत में यह संख्या क्या थी ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन उपक्रमों के वार्षिक आर्थिक घाटे की राशि में भी वृद्धि हुई है ;

(घ) यदि हां, तो घाटे में चल रहे इन उपक्रमों द्वारा प्रतिवर्ष मार्च, 1992 और मार्च, 1995 के अन्त तक हुए घाटे की राशि कितनी-कितनी थी ;

(ङ) क्या यह भी सच है कि इन वर्षों के दौरान इन उपक्रमों में पूंजी निवेश की राशि में भी वृद्धि की गयी ; और

(च) यदि हां, तो वर्ष 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान इन उपक्रमों में अलग-अलग किए गए अतिरिक्त निवेश का ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) से (घ) वर्ष 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के दौरान घाटे वाले केन्द्रीय सरकारी उपक्रमों की संख्या क्रमश: 102, 106 और 117 थी। ऐसे उपक्रमों के नाम जिनमें 1993-94 की समाप्ति पर पिछले तीन वर्षों में घाटा हुआ था और जिनके बारे में केवल उपर्युक्त अवधि तक ही सूचना उपलब्ध है का विवरण *22-3-1995* को सदन के पटल पर रखे गए 1993-94 के लोक उद्यम सर्वेक्षण के खण्ड 1 के विवरण *7क/7ख* पर उपलब्ध है।

(ङ) और (च) केन्द्रीय सरकारी उपक्रमों में निवेश बढ़ रहा है। 31-3-1992 31-3-93 और 31-3-1994 को उपक्रम वार निवेश का ब्यौरा लोक उद्यम सर्वेक्षण 1993-94 के खण्ड-3 में दिया गया है।

Increasing prices of paper

3926. SHRI CHATURANAN MISHRA:
SHRI GURUDAS DAS GUPTA:

Will he PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the prices of paper have increased steeply during the last few months;

(b) if so, the details and reasons therefor; and

(c) the steps, if any, being taken by Government to bring down the prices?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) and (b) The price of writing and printing paper has shown rise in recent months. Prices have increased on account of rise in cost of coal, power, caustic soda, imported pulp and other raw